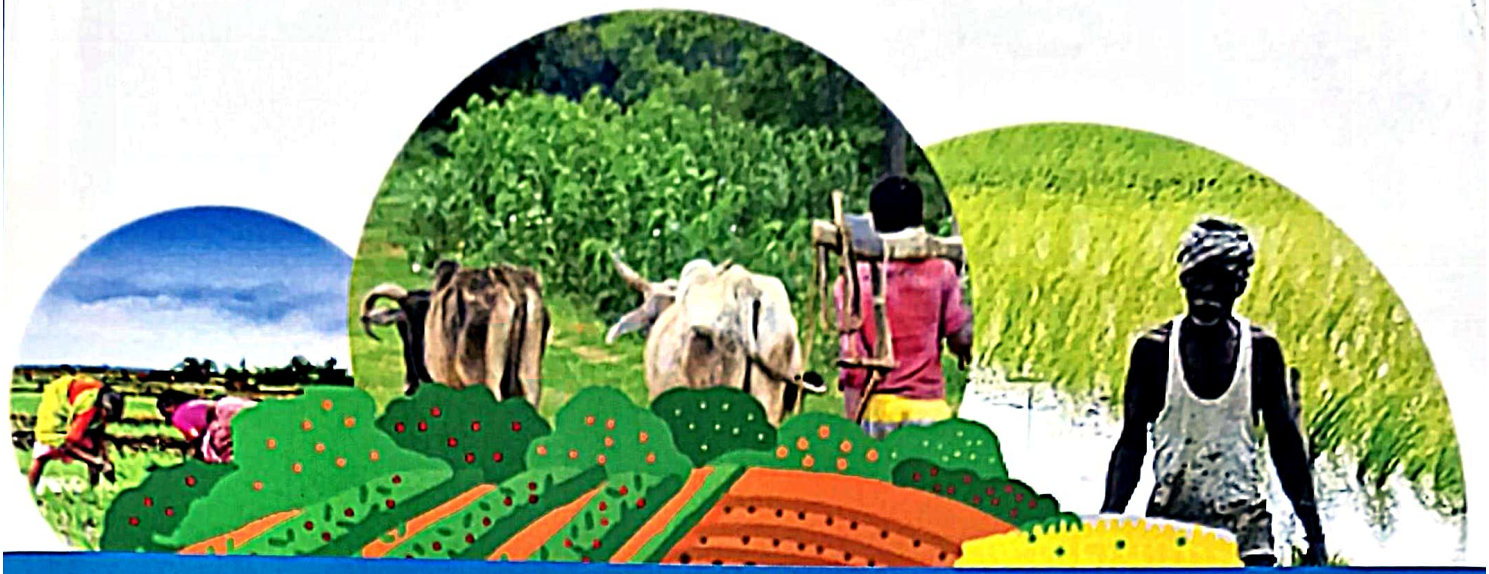

भारत में कृषि विकास

चुनौतियां और अवसर

संपादक

डॉ. राजकुमार नागवंशी

मध्य प्रदेश में उद्यानिकी फसलों के क्षेत्रफल एवं उत्पादन के प्रवृत्ति का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

–धनपत कुमार
–डॉ. राजकुमार नागवंशी

सारांश

मध्य प्रदेश में कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए उद्यानकी क्षेत्र एक प्रेरक शक्ति के रूप में उभरा है जो कि मध्य प्रदेश में कृषि उद्यानकी उत्पादों का विकास कृषि क्षेत्र के सामान्य विकास के लिए गतिशील शक्तियों में से एक बन गया है। शहरीकरण, आधुनिकीकरण और पारंपरिक से उच्च मूल्य वाली नकदी फसलों के लिए फसल स्वरूप में बदलाव के साथ, विशेष रूप से कृषि उद्यानकी फसलों को मध्य प्रदेश कृषि में शुरू किया गया है। प्रदेश में उत्पादित कृषि उद्यानकी फसलों, मसालें, साग-सब्जी, फल, पुष्प एवं औषधियों के उत्पाद स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अधिक मांग है। यह आजीविका के विकल्प, खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए आवश्यक मात्र में मांग को पूरा करने के मामले में एक महत्वपूर्ण स्थिति में है। वर्तमान अध्ययन मध्य प्रदेश के कृषि उद्यानकी फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन और उत्पादकता की प्रवृति का तुलनात्मक विश्लेषण द्वितीयक आंकड़े के आधार पर किया गया है। जिसमें आंकडें के विश्लेषण में CAGR का प्रयोग किया गया है। इस प्रकार अध्ययन के परिणाम से ज्ञात होता है कि मध्य प्रदेश के कृषि उद्यानकी फसलों के क्षेत्रफल में वृद्धि हुई है। जिसमें औषधियाँ, साग-सब्जी, मशाले, फल और पुष्प की फसल शामिल है। प्रदेश में उद्यानकी फसलों के क्षेत्रफल वृद्धि के साथ-साथ फसल के उत्पादन में भी वृद्धि हुई है। तथा उत्पादकता में भी आंशिक वृद्धि हुई है। इसलिए मध्य प्रदेश में कृषि उद्यानकी फसलों के क्षेत्रफल और उत्पादन में सकारात्मक सम्बन्ध है जो कि कृषि उद्यानकी फसलों के क्षेत्र में वृद्धि होने से उत्पादन में भी वृद्धि होती है।

शब्द कुंजी

उत्पादन, क्षेत्रफल, कृषि उद्यानकी, फसल, मध्य प्रदेश।